दिनांक २४ दिसम्बर २०११ को अमेरिकन फेडरेशन ऑफ मुस्लिम्स ऑफ इंडियन ऑरिजन द्वारा मारवाड़ी कॉलेज में पूर्वह्न १० बजे से आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह *"20th International Education Convention & Gala Award Ceremony"* में महामहिम राज्यपाल का अभिभाषण:–

मुझे अमेरिकन फेडरेशन ऑफ मुस्लिम्स ऑफ इंडियन ओरिजन द्वारा आयोजित इस पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में शिरकत करके बेहद खुशी हो रही है। इस प्रकार के सम्मान समारोह के आयोजन से बच्चों में तालीम हासिल करने की ललक बढ़ती है।

किसी भी मुल्क की मुकम्मल तरक्की बेहतर तालीम के बगैर संभव नहीं है। अत: समाज के सभी तबकों को तालीम हासिल हो, इस हेतु हम सभी को मिल–जुल कर कोशिश करनी होगी।

तालीम आदमी की बुनियादी आवश्यकता है। यह व्यक्तित्व का विकास करता है। **Education is the most important thing. It is the solution of any types of problems. It is education which promotes good habits, values and awareness towards anything like terrorism, corruption and disease. I mean, Education is very important**

among all of us, the fact which is commonly nothing to deny among any.

मैं यहाँ कहना चाहूँगा कि देश को यदि शक्तिसंपन्न होना है, तो उसे अपनी इस युवा शक्ति को शिक्षित बनाने की शर्त को पूरा करना होगा।

तालीम के विकास एवं लोगों में जागरूकता लाने के लिए न केवल सरकार को और आगे आने की जरुरत है, बल्कि जन–जन को अपनी अह्म भूमिका अदा करनी होगी।

हमारे राज्य की साक्षरता दर अच्छी नहीं है, खासकर महिलाओं की। हमें विकास की राह में आगे आने के लिए अपने साक्षरता दर में तेजी लानी होगी। मुझे बताया गया है कि झारखंड राज्य में मुसलमानों की साक्षरता दर बेहद खराब है, इस मामले में यह राज्य दूसरे राज्यों से काफी पीछे है।

एक रिपोर्ट के अनुसार देश के लगभग २५ फीसदी मुस्लिम बच्चे ही मैट्रिक पास करते हैं, बहुत से हाई स्कूल पहुँचते–पहुँचते पढ़ाई छोड़ देते है। इसमें मुस्लिम लड़कियें की संख्या ज्यादा है, ये बेहद चिन्ता का विषय है।

आबादी का बड़ा हिस्सा होने के बावजूद लगभग ३ फीसदी बच्चे स्नातक हो पाते हैं और ४ फीसदी बच्चे १२वीं की परीक्षा में शामिल हो पाते हैं।

इंडिया टूडे के एक सर्वे के अनुसार १०१ मुसलिम औरतों में सिर्फ एक ही स्नातक की पढ़ाई पूरी कर पाती है। जानकारी के अनुसार, राज्य में मुसलमानों की आबादी लगभग ४० लाख है, इनमें महिलओं की आबादी कुल आबादी की लगभग आधे होंगे, लेकिन राज्य की एक बड़ी आबादी होने के बावजूद भी यहाँ किसी बड़े पद पर कोई मुस्लिम महिला अधिकारी नहीं है, आई.ए.एस., आई.पी.एस., या अन्य बड़े प्रतियोगिता में मुस्लिम महिला कम ही शामिल हो रही है।

शिक्षा के क्षेत्र में मुसलमान काफी पिछड़े हैं, लगभग १४ करोड़ से अधिक आबादी हमारे देश में मुस्लिमों की है। सरकारी नौकरीयों में इस वर्ग का प्रतिशत काफी कम है। तकनीकि सेवाओं में भी यह वर्ग अन्य के मुकाबले पिछड़ हैं, इसका मूल कारण साक्षरता की कमी है।

कई मुस्लिम लड़कियाँ पढ़ाई में दिलचस्पी रखती हैं, लेकिन उनके घरवाले उन्हें पढ़ाने में दिलचस्पी नहीं दिखाते है। शहरों में लड़कियाँ तो फिर भी पढ़ाई करती हैं, लेकिन गाँवों में लड़कियाँ केवल प्राईमरी तक बड़ी मुश्किल से तालीम हासिल कर पाती है। २१वीं सदी के इस युग में मुस्लिम समाज में अशिक्षा का घोर अंधकार छाया है, उन्हें आले दरजे की तालिम देने की आवश्यकता है।

मैं इस अवसर पर कहना चाहूँगा कि जकात का एक बड़ा हिस्सा तालिम पर खर्च किया जाना चाहिए क्योंकि इंसान की सबसे बड़ी दौलत तालिम ही है और उसको मजबूत बनाने की जरुरत है।

मैं बच्चों के मनोबल को बढ़ाने के लिए ए.एफ.एम.आई. के कामों की सराहना करता हूँ, आशा करता हूँ कि इस प्रकार के पुरस्कार वितरण समारोह से दूसरे बच्चों में भी तालीम हासिल करने की ललक पैदा होगी।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!